व्यवसायिक प्रशिक्षण

२४५. **श्री कृष्णकान्त व्यास :** क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) १९५१-५२, १९५२-५३ और १९५३-५४ में विभिन्न व्यवसायिक प्रशिक्षण स्कूलों में कितनी स्त्रियों को प्रशिक्षा दी गई; और

(ख) वे व्यवसाय कौन से हैं जिनमें इन स्त्रियों को प्रशिक्षा दी गई थी ?

†[VOCATIONAL TRAINING

245. SHRI KRISHNAKANT VYAS: Will the Minister for LABOUR be pleased to state:,

(a) the number of women trained in the various vocational training schools during the years 1951-52, 1952-53 and 1953-54; and

(b) the names of the different trades in which these women were trained?]

श्रम मंत्री (श्री खंडूभाई देसाई): (अ)

वर्ष	शिक्षित महिलाओं की संख्या
१९५१-५२	२७४
१९५२-५३	३४०
१९५३-५४	३८४
कुल	**९९८**

(ब) काम धंधों की सूची निम्न लिखित हैं :

१. ऊनी, सूती तथा रेशमी सजावटी कपड़ों की हाथ की बुनाई,

२. हाथों द्वारा मशीनों से बुनाई,

३. कपड़ों की रंगाई, धुलाई तथा छपाई,

४. साड़ी बार्डर, रिबन तथा गोटे की बुनाई,

५. निवार, टेप, दरी तथा गलीचों की हाथों से बुनाई,

६. कशीदा और सिलमे की हाथ से कढाई,

७. खेलों के सामान का बनाना,

८. शीशे के मोती बनाना,

९. इंग्लिस शार्ट हैंड और टाइप राइटर,

१०. हिन्दी शार्ट हैंड और टाइप राइटर,

११. कटाई और सिलाई,

१२. फलों और सब्जियों को सुरक्षित रखना तथा मुरब्बों आदि के बनाने का ढंग।

†[THE MINISTER FOR LABOUR (SHRI KHANDUBHAI DESAI):

(a)

Year	No. of women trained
1951-52	274
1952-53	340
1953-54	384
TOTAL	998

(b) A list of the trades is given below:—

1. Hand weaving of fancy furnishing fabrics with cotton, wool and silk.
2. Knitting with hand machines.
3. Bleaching, Dyeing and Printing of cloth.
4. Weaving of Sari-borders, ribbons, gota etc.
5. Hand Weaving of newar, tape, durries & carpets.
6. Embroidery and needle work in salma.
7. Manufacture of sports goods.
8. Manufacture of glass beads.
9. English shorthand and typewriting.
10. Hindi shorthand and typewriting.
11. Cutting and Tailoring.
12. Preservation of fruits and vagetables including canning, making of jams etc.]

†English translation.